(ख) 1966–67 में, मध्य और उत्तर रेलवे ने खान-पान की सुविधाओं सहित यात्री तथा अन्य रेल उपयोग-कर्त्ताओं के लिए सुविधाओं की व्यवस्था में क्रमशः 44.67 लाख और 45.74 लाख रुपये खर्च किये। चालू वित्तीय वर्ष, अर्थात 1967–68 में, मध्य और उत्तर रेलवे द्वारा उपर्युक्त काम पर क्रमशः 39.22 और 40.03 लाख रुपये खर्च करने का विचार है।

(ग) विवरण संलग्न है। (देखिये परिशिष्ट LXIII अनुपत्र संख्या 5)

†[THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. M. POONACHA): (a) Yes. Facilities for the passenger and other rail users are being improved by the Zonal Railways on a programmed basis every year.

(b) During the year 1966-67, the Central and Northern Railways have spent Rs. 44.67 lakhs and 45.74 lakhs respectively for passenger and other Railway Users' Amenities including catering facilities. During the current financial year *viz.*, 1967-68, Rs. 39.22 and 40.03 lakhs are proposed to be spent by Central and Northern Railways respectively on the above account.

(c) A statement is attached. [*See* Appendix LXIII, Annexure No. 5).]

RAMESHWARAM ROAD-DHANU-SHKOTI RAIL LINK

197. SHRI T. V. ANANDAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that rail link between Rameshwaram Road and Dhanushkoti has been decided to be restored again; and

(b) if so, when the work will be started and when will it be completed ?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C. M. POONACHA): (a) No. (b) Does not arise.

खाद्य पदार्थों पर खादी ग्रामोद्योग आयोग द्वारा खर्च की गई धनराशि

198. श्रीमती विद्यावती चतुर्वेदी :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) ग्राम उद्योगों द्वारा तैयार किये गये तेल, मसाले, शहद आदि जैसे खाद्य पदार्थों के विकास पर खादी ग्रामोद्योग आयोग ने प्रत्येक मद पर प्रति वर्ष कितनी कितनी धन-राशि खर्च की ;

(ख) तैयार किए गये पदार्थों की बिक्री के लिए क्या-क्या उपाय किए गए है।

(ग) ग्रामउद्योग द्वारा तैयार किए पदार्थों के विकास के लिये खादी आयोग क्या कदम उठा रहा है ;

(घ) क्या ग्रामोद्योगों द्वारा तैयार किए गए पदार्थों की बिक्री के लिए खादी आयोग के सभी बिक्री केन्द्रों पर रखा जाता है; और

(ङ) यदि उपरोक्त भाग (घ) का उत्तर नहीं हो तो उस के क्या कारण हैं ?

†/MONEY SPENT BY KHADI GRAMODYOG COMMISSION ON FOOD ARTICLES

198. SHRIMATI VIDYAWATI CHATURVEDI: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state.

(a) the average amount of money spent itemwise by the Khadi Gramodyog Commission every year on the development of food articles like oil, spices and honey etc. produced by the village industries;

(b) the measures adopted for the sale of the produced articles;

(c) the steps being taken by the Khadhi Commission for the development of food articles produced by the village industries;

†[ ]English translation.

(d) whether the food articles produced by the villge industries are kept for sale on all the sale centres of the Khadhi Commission; and

(e) if the answer to part (d) above be in negative what are the reasons therefor?]

वाणिज्य मंत्रालय में उपमंत्री श्री मुहम्मद शफी कुरेशी): (क) 1956–57 से 1966–67 तक की अवधि में (1) खाद्यान्न तथा दालों के साधित करने (2) घानी तेल (3) गुड़ तथा खंडसारी (4) ताड़ गुड़ (5) मधुमक्खी पालन के सम्बन्ध में खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग द्वारा खर्च की गई धन-राशि संलग्न विवरण में दी गई है। (देखिये परिशिष्ट (LXIII अनुपत्र संख्या 6.)

(ख) ये उत्पादन 1959 ग्रामोद्योग डिपो, लगभग 4718 खादी भण्डारों, खादी ग्रामोद्योग भवनों तथा बहुत से सहकारी संस्थाओं, जिन पर अपने बिक्री केन्द्र हैं, द्वारा बेचे जाते हैं।

(ग) उत्पादन तथा बिक्री के लिये कार्यकारी पूंजी, कच्चा माल जमा करने तथा सुधरे उपकरण के लिये आयोग द्वारा ऋण के रूप में सहायता दी जाती है। इस के अतिरिक्त प्रशिक्षण, उन्नत उपकरणों की खरीद, कार्य करने के शैड, सुखाने के स्थान तथा गोदामों के लिये अनुदान दिया जाता है तथा ग्रामोद्योग सहकारी संस्थाओं के लिये प्रबन्धकीय सहायता विकास कार्यों जैसे उन्नत विधियों तथा उपकरणों सम्बन्धी प्रशिक्षण, विक्रय सम्वर्धन तथा उन्नत उपकरण पर गवेषणा के लिये भी अनुदान दिये जाते हैं।

(घ) जी हां, बशर्ते खादी आयोग उत्पादों की किस्म के बारे में सन्तुष्ट हो।

(ङ) प्रश्न नहीं उठता।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF COMMERCE (SHRI MOHD. SHAFI QURESHI). (a) The disbursement of funds by Khadi and Village Industries Commission during the period 1956-57 to 1966-67 in respect of (i) processing of cereals and pulses, (ii) ghani oil, (iii) gur and khandsari, (iv) palmgur and (v) beekeeping is given in the attached statement (*See* Appendix LXIII, Annexure No. 6).

(b) These products are sold through 1659 Gramdyog Depots, about 478 Khadi Bhandars, Khadi Gramodyog Bhawans and a large number of cooperatives having sales centres.

(c) Assistance in the shape of loans for working capital on production and sale, for stocking raw materials and for improved equipment is given by the Commission. In addition, grants are given for training, purchase of improved equipment, erection of worksheds, drying yards and godowns and managerial assistance for Gramodyog cooperatives. Grants for development purposes such as training on improved methods and equipment, sales promotion and research on improved equipment are also given.

(d) Yes, provided the Khadi Commission is satisfied about the quality of the products.

(e) Does not arise.]

छूट के परिणाम स्वरूप खादी की बिक्री

199. **श्रीमती विद्यावती चतुर्वेदी** : क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) 2 अक्तुबर, 1967 से दी गई विशेष छूट के परिणामस्वरूप खादी ग्रामोद्योग भवन में खादी की कुल कितनी बिक्री हुई ;

(ख) इस समय भवन में खादी का कितना भण्डार है ; और

(ग) इसकी बिक्री के लिये क्या कदम उठाए जा रहे हैं ;?

†[ ]English translation.